BSES

बिजली कंपनी के नाम पर ठगी करने वाले दो पकड़े, उपभोक्ता के पैसे बरामद

- जमिया पुलिस स्टेशन– एफआईआर नंबर 269/2010
- जागरूक उपभोक्ताओं ने पकड़वाए ठग
- एक किस्त अदा कर चुका था उपभोक्ता

नई दिल्लीः 22 जुलाई, 2010। दक्षिण दिल्ली में आश्रम के पास स्थित जाकिर बाग इलाके में बीआरपीएल के नाम पर ठगी का भंडाफोड़ हुआ है। पांच ठग खुद को बीआरपीएल एन्फोर्समेंट विभाग का अधिकारी बताते हुए एक उपभोक्ता (अनुरोध पर नाम नहीं दिया जा रहा है) के घर पहुंचे और मीटर को देखने–परखने लगे। उसके बाद उन्होंने उपभोक्ता से कहा कि उसका मीटर टैंपर्ड है, और इस जुर्म में उस पर भारी जुर्माना किया जाएगा। उसने उपभोक्ता से यह भी कहा कि यदि वह चाहे, तो कम पैसे में अपना केस *सेट्ल* करवा सकता है।

खुद को बिजली कंपनी का अधिकारी बताने वाले इन ठगों के झांसे में उपभोक्ता आसानी से आ गया, और उसने पहली किस्त के तौर पर उन्हें 5000 रूपये दे दिए। साथ ही, यह वादा भी किया कि कुछ दिनों बाद वह दूसरी किस्त के तौर पर 10000 रूपये दे देगा। दरअसल, उपभोक्ता ये 10000 रूपये अपने पड़ोसियों के सामने पे करना चाहता था ताकि उसके पास इस बात का प्रमाण रहे। इसलिए, दूसरी किस्त के भुगतान वाले दिन उसने अपने कुछ पड़ोसियों को भी अपने घर बुला लिया। लेकिन, ठगों के व्यवहार पर कुछ पड़ोसियों को शक हुआ और उन्होंने बीआरपीएल के असली अधिकारियों को फोन कर पूरा वाकया बता दिया।

इस पर बीआरपीएल अधिकारियों ने उन्हें कहा कि वे ठगों को कुछ और देर बातों में फंसाए रखें। कुछ ही देर में, बीआरपीएल विजिलेंस टीम और सरिता विकार डिविजन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए, और पाया कि वे वास्तव में ठग हैं। तुरंत पुलिस को बुलाया गया और वे दो ठगों को पकड़ने में कामयाब हो गए, जबकि तीन अन्य भागने में कामयाब हो गए। गिरोह के मास्टरमाइंड को भी पकड़ लिया गया।

इस बारे में जामिया नगर पुलिस स्टेशन में एक एफआईआर– 269/2010 दर्ज कराई गई है। पुलिस को ठगों के कब्जे से 10000 रूपये और किसी एजेंसी का जाली व एक्पायर्ड आईकार्ड मिले। बरामद रकम पीड़ित उपभोक्ता को वापस कर दी गई।

बीएसईएस ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि वे ऐसे असामाजिक तत्वों व ठगों से सावधान रहें, जो कि गुपचुप तरीके से काम कर कंपनी की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। साथ ही, कंपनी यह भी कहना चाहती है कि उपभोक्ता ऐसे तत्वों की धमकियों या झूठे आश्वासनों में न आएं और कारण चाहे जो भी हो, उन्हें कोई पैसा न दें। बिजली चोरी, जुर्माना, व्यावसायिक आदि कोई भी भुगतान सिर्फ बीएसईएस ऑफिसों में ही करें।

उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि उनके पास जो भी व्यक्ति बीएसईएस कर्मचारी के तौर पर जा रहा है, उनकी पहचान जरूर सुनिश्चित करें। उनका पहचान पत्र मांगें और निम्नलिखित बिंदुओं पर गौर करें।

सही पहचान पत्र में ये चीजें होनी चाहिएः 1. बीएसईएस लोगो, 2. बीएसईएस होलोग्राम, 3. जारी होने की तारीख, 4. वैधता (वैलिडिटी), 5. कर्मचारी की तस्वीर, 6. अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर, 7. कर्मचारी के हस्ताक्षर, 8. कर्मचारी संख्या/ पहचान पत्र संख्या, 9. ठेकेदार का नाम/ लोगो/ पता, 10. लेमिनेशन

अगर आपको कोई शक हो, या कुछ गड़बड़ लगे, तो तो कृपया निकटतम बीएसईएस ऑफिस में संपर्क करें, या डायल करें– 39999707/ 39999808 और 100 नंबर डायल कर स्थानीय पुलिस को भी बताएं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेंः प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870/ 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642/ 9350130304